Today's Poem – 04.07.2014

होलसेल व्यापार है मन्मनाभव

करो सदा बाप के साथ का अनुभव

जो बच्चे अच्छी रीति बाप की मत पर चलते

बाप उन बच्चों का प्यार रिसीव करते

बाप अभी बच्चों को गुल-गुल बनाते

फिर फूल बच्चों की अपने घर में वेलकम करते

तन-मन-धन सहित एक बार बाप पर पूरा कुर्बान जाना

हम पदमापदम भाग्यशाली हैं सदा इसी नशे में रहना

करो मनसा द्वारा योगदान

वाचा द्वारा ज्ञान दान

और कर्मणा द्वारा गुणों का दान

मेरा बाबा

ॐ शान्ति !!!